विद्या भवन बालिका लिद्यापीठ,लखीसराय

वर्ग नवम विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह

ता: 14-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी.पर आधारित)

- श्लोक 4 . लतानां नितान्तं सुमं शान्तिशीलम्
  चलेदुच्छलेत्कान्तसलिलं सलीलम्
  तवाकर्ण्य वीणामदीनानां नवीनाम् ।।
  निनादय....।।
- शब्दार्थ लतानां – बेलों की ,नितान्तम् -पूरी तरह से ,सुमम् – फूल
  चलेत् - हिलने लगे , तव - तुम्हारी , आकर्ण्य -सुनकर
  वीणाम् – वीणा को , अदीनाम् – तेजस्विनी
- अर्थ - हे सरस्वती ! ऐसी वीणा बजाओ कि तुम्हारी तेजस्विनी वाणी को सुनकर लताओं के पूर्णतया शांत रहने वाले फूल हिलने लगें, नदियों का सुंदर जलक्रीड़ा करता हुआ उछलने लगे।